ADVERTISEMENT

Ad

होम

लेटेस्ट न्यूज

पर्सनल फाइनेंस

शेयर बाजार

इकोनॉमी

आवाज़ पाठशाला

टेक

ऑटो

फोटो

MARKET LIVE

STORYBOARD 18

CNBC AWAAZ एंकर हब

लेखक हब

छोटे शहर, बड़े सपने

Vedanta: 75000 रुपये बैंक बैलेंस, मालाबार हिल में घर का सपना, वेदांता चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सुनाई दिल छूने वाली कहानी

Vedanta, Anil Agarwal Story: सपने देखने के लिए बड़ा घर या बैंक अकाउंट में करोड़ों रुपये होना जरूरी नहीं है. कभी-कभी 333 स्क्वायर फीट का एक छोटा सा फ्लैट भी इंसान को पूरी दुनिया जीतने का हौसला दे देता है. वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर अपनी जिंदगी की ऐसी ही एक कहानी शेयर की है.

By Ankit Tyagi

September 17, 2026, 11:25:22 AM IST (Updated)

Impact Shorts
Big News, Made Easy

0 Min Read

यह कहानी उस समय की है, जब अनिल अग्रवाल ने मुंबई में अपने सपनों की तरफ पहला बड़ा कदम बढ़ाया था. बात 1976-77 के आसपास की है. अनिल अग्रवाल को मुंबई आए हुए कुछ समय बीत चुका था. उनका परिवार भी उनके साथ रहने लगा था. लेकिन जिस किराए के कमरे में वह रह रहे थे, वह अब छोटा पड़ने लगा था. **अनिल अग्रवाल के शब्दों में कहें तो उस किराए के कमरे में न उनके अपनों के लिए पर्याप्त जगह बची थी और न उनके सपनों के लिए.**

लोगों ने कहा. ..इतनी जल्दी घर मत खरीदो

जब अनिल अग्रवाल ने अपना घर खरीदने के बारे में सोचना शुरू किया तो आसपास के लोगों ने उन्हें कई तरह की सलाह दी. कुछ लोगों ने कहा कि मुंबई आने के इतनी जल्दी बाद घर खरीदना सही फैसला नहीं होगा. पहले कारोबार और कमाई को मजबूत करना चाहिए. उसके बाद अपना घर खरीदने के बारे में सोचना चाहिए.

ADVERTISEMENT

फोटो गैलरी

Stocks to Watch fo September: Adani Enterprises, Sapph
Sept 22, 2026 6:16 P

High FD Rate: 555 FD में कौन सा बैंक दे र सबसे ज्यादा ब्याज?
Sept 22, 2026 3:17 P

Share Price: 7000 कंपनी ने बताया क्यों इ 60% बढ़ेगी आमदनी,
Sept 22, 2026 12:37

Currency

Currency	Price
Dollar-Rupee	95.17
Euro-Rupee	109.9
Pound-Rupee	127.4

ADVERT

Ad

शेयर बाजार और बिजनेस की सुपरफास्ट खबरों के लिए...तुरंत जुड़िए सीएनबीसी आवाज़ के व्हाट्सएप चैनल के साथ (लिंक पर क्लिक करें**).**

कुछ लोगों का कहना था कि अगर घर खरीदना ही है तो मुंबई के सबर्ब्स यानी शहर से थोड़े बाहरी इलाके में खरीदा जाए. वहां कम कीमत में बड़ा घर मिल सकता था. इस सलाह के पीछे पूरा हिसाब-किताब था. कम पैसा खर्च होता और रहने के लिए ज्यादा जगह मिल जाती.

TRADE SETUP *September 22, 2026 3:59 PM*

TOP GAINERS TOP LOSERS MOST ACTIVE Nifty 500

Name	₹ Value	Chg	Chg%
MEESHO	240.19	▲21.04	▲9.60
SUNTV	490.10	▲32.55	▲7.11
JAINREC	291.25	▲18.50	▲6.78

लेकिन अनिल अग्रवाल के मन में कुछ और ही चल रहा था. उन्होंने तय कर लिया था कि अगर मुंबई में अपना घर खरीदेंगे तो वह मालाबार हिल इलाके में ही होगा.

शेयर बाजार और बिजनेस की सुपरफास्ट खबरों के लिए...तुरंत जुड़िए हमारे साथ (लिंक पर क्लिक करें**). ये सीएनबीसी आवाज़ का टेलीग्राम चैनल है**

यह फैसला आसान नहीं था. मालाबार हिल मुंबई के सबसे महंगे और पसंदीदा इलाकों में गिना जाता है. ऐसे इलाके में घर खरीदने का सपना उस व्यक्ति के लिए बहुत बड़ा था, जो मुंबई में अपनी पहचान बनाने की शुरुआत ही कर रहा था.

पेडर रोड के पास मिला 333 स्क्वायर फीट का फ्लैट

घर की तलाश शुरू हुई. इसी दौरान अनिल अग्रवाल ने पेडर रोड के पास नवरंग अपार्टमेंट में एक छोटा सा फ्लैट देखा. यह फ्लैट सिर्फ 333 स्क्वायर फीट का था. किसी बड़े परिवार के लिए 333 स्क्वायर फीट का फ्लैट बहुत छोटा लग सकता है. लेकिन अनिल अग्रवाल को उस छोटे से घर में अपना बड़ा सपना दिखाई दे रहा था. उन्हें लगा कि शायद यही वह जगह है, जहां से मुंबई में उनकी जिंदगी का नया सफर शुरू हो सकता

है. समस्या यह थी कि उनके बैंक अकाउंट में उस समय करीब 75,000 रुपये ही थे. जिस फ्लैट को उन्होंने पसंद किया था, उसकी कीमत इससे कहीं ज्यादा थी.

अब उनके सामने दो रास्ते थे. पहला रास्ता हिसाब का था. हिसाब कह रहा था कि अभी रुक जाना चाहिए. पहले और पैसा जमा करना चाहिए. अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करनी चाहिए और उसके बाद घर खरीदना चाहिए.

दूसरा रास्ता सपनों का था. सपने कह रहे थे कि सही समय अपने आप नहीं आता. कई बार इंसान को अपने फैसले से समय को सही बनाना पड़ता है.

हिसाब नहीं... अपने सपनों की बात मानी

अनिल अग्रवाल ने आखिरकार हिसाब की जगह अपने मन की सुनी. उन्होंने डर के बजाय सपनों पर भरोसा किया और वह छोटा सा फ्लैट खरीदने का फैसला कर लिया. यह फैसला सिर्फ प्रॉपर्टी खरीदने का नहीं था. यह खुद पर भरोसा करने का फैसला था. वह 333 स्क्वायर फीट का फ्लैट अनिल अग्रवाल का पहला घर बना. लेकिन उस घर की अहमियत उसके साइज या कीमत से तय नहीं होती थी.उस छोटी सी चारदीवारी ने उन्हें बड़ा हौसला दिया. उस घर ने जैसे उनसे कहा कि अगर मुंबई जैसे शहर में अपना घर हो सकता है तो दुनिया में कहीं भी घर बनाया जा सकता है.

कहानी में छिपा है बड़ा मैसेज

अनिल अग्रवाल की कहानी यह नहीं सिखाती कि बिना सोचे-समझे अपनी पूरी जमा पूंजी किसी घर या प्रॉपर्टी में लगा देनी चाहिए. इसका असली मैसेज यह है कि जिंदगी के कुछ फैसले सिर्फ कैलकुलेटर देखकर नहीं लिए जाते. उनमें मेहनत, भरोसा और अपने सपनों के लिए थोड़ा साहस भी चाहिए होता है.

अकाउंट में करीब 75,000 रुपये थे. पसंद का घर उससे कहीं ज्यादा महंगा था. रहने के लिए सिर्फ 333 स्क्वायर फीट की जगह थी. लेकिन उसी छोटी सी जगह में एक ऐसा सपना खड़ा हुआ, जिसने आगे चलकर दुनिया में अपनी पहचान बनाई.

अनिल अग्रवाल के लिए वह सिर्फ पहला फ्लैट नहीं था. वह इस भरोसे की पहली ईंट थी कि मंजिल कितनी भी बड़ी हो, उसकी शुरुआत एक छोटे से कदम से ही होती है.

First Published: Sept 17, 2026 11:23 AM IST

ADVERTISEMENT

Ad

टैग्स